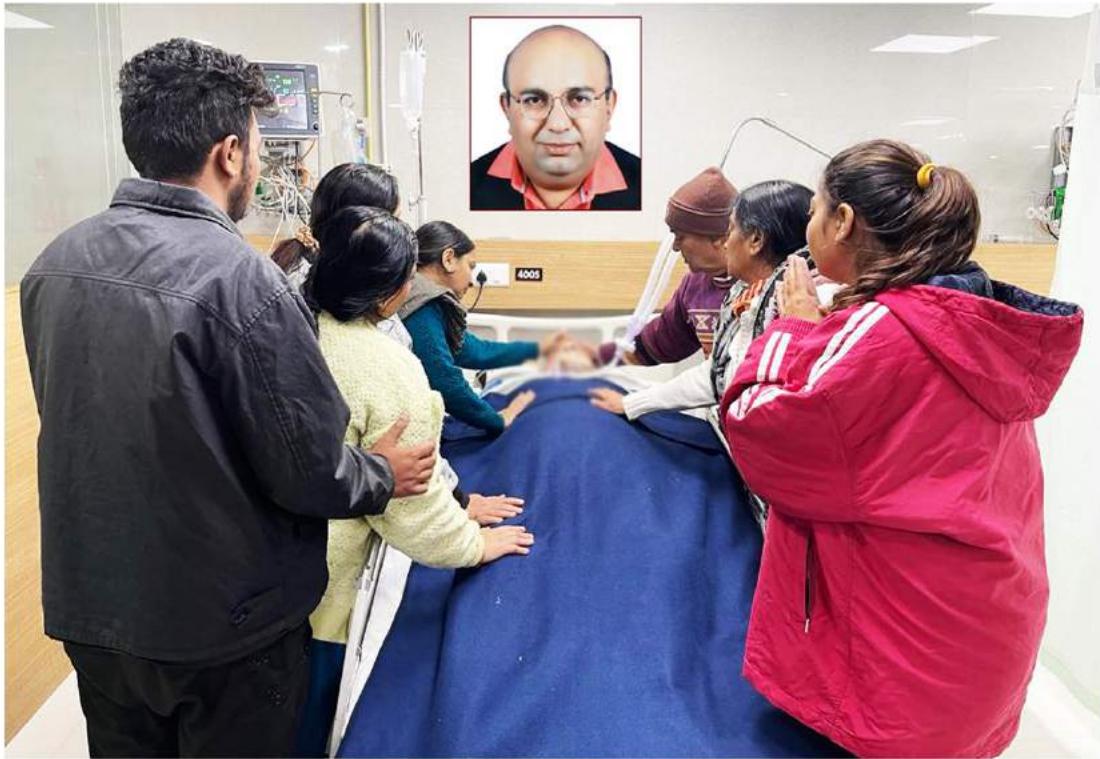




## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



### Cadaver Organ Donor

**Lt. Nimish Rajnikant Gandhi**

**Donated His: Kidney & Corneas**

**Date:- 26/01/2023**

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

74वें गणतंत्र दिवस पर

## यूनाइटेड ग्रीन हॉस्पिटल से डोनेट लाइफ संस्था द्वारा एक और अंगदान किया गया

**श्री सुरती मोठवानिक**  
समाज के ब्रेन डेड निमिष रजनीकांत गांधी के परिवार ने डोनेट लाइफ के जरिए किडनी और आंखें डोनेट कीं, चार लोगों को नई जिंदगी दी, इंसानियत की खुशबू फैलाई और समाज को नई दिशा दिखाई।



किडनी को समय पर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए सूरत शहर पुलिस और राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामीण पुलिस के सहयोग से एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था।

### अतुल्य हिन्दुस्तान संवाददाता

सूरत 22, मणिनगर रो हाउस, केदारभवन अपार्टमेंट के पास, हनीपार्क रोड, अदाजन, सूरत और एलआइसी एजेंट के रूप में काम कर रहे निमिष को 23 जनवरी को सिरदर्द और उल्टी हुई थी, उन्हें उनके परिवार द्वारा डॉ. कल्येश अमीचंदवाला के इलाज के तहत एमटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिन्होंने प्राथमिक उपचार दिया। बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए यूनाइटेड ग्रीन अस्पताल में भर्ती कराया गया। डायग्नोस्टिक एमआरआई एंजियो का निदान मस्तिष्क में रक्त वाहिका में ब्लॉक होने के रूप में किया गया था। 23 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. जिगर आइया और डॉ. परेश पटेल ने रक्त

### लिवर डोनेशन नहीं हो सका

अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में डॉ. अनंद खाखर और उनकी टीम ने किडनी का दान स्वीकार किया। फैटी लिवर के कारण लिवर डोनेशन नहीं हो सका। लोकट्रूटि चक्षुबांक के दिनेशभाई जोगनी ने नेत्रदान स्वीकार किया। डोनेट की गई दो किडनी में से एक किडनी अहमदाबाद निवासी 67 वर्षीय महिला में ट्रांसप्लांट की गई है, दूसरी किडनी अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में अहमदाबाद निवासी 46 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई है। अहमदाबाद में समय पर किडनी पहुंचाने के लिए सूरत शहर की पुलिस और राज्य के विभिन्न शहर और गांव की पुलिस के सहयोग से एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था।

वाहिका से ट्यूमर को निकालने वाले डॉ. और स्टेट लगाने के लिए सर्जरी की। उसके बाद 24 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. मस्तिष्क की सूजन कम करने के लिए हसमुख सोजित्रा की सर्जरी हुई थी। 25 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोजित्रा, न्यूरोफिजिशियन डॉ.

रोशन पटेल, गहन चिकित्सक डॉ. खुशबू वघाशिया, चिकित्सक डॉ. कल्येश अमीचंदवाला और डॉ. भारव उमरेटिया ने निमिषभाई को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। श्री सुरती मोठवानिक समाज के नेता हरीशभाई ज़डावाला और भूपेंद्रभाई चावला ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष

श्री नीलेश मांलेवाला से दूरभाष पर संपर्क कर निमिष के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और निमिष के पिता रजनीकांतभाई, मां सुधाबेन, पत्नी चौताली, बेटी कविता, बेटे रुद्र, बेहन सेजल राजा जोशी, चचेरे भाई अंकित चावला और परिवार के अन्य सदस्यों को अंग दान के महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। अंगदान के लिए परिवार की सहमति मिलने के बाद नीलेश मंडलेवाला ने स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (SOTTO) से संपर्क किया और किडनी और लिवर दान करने के लिए कहा। SOTTO द्वारा Zydus Hospital, अहमदाबाद को किडनी और लीवर आवंटित किया गया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान

74वें गणतंत्र दिवस पर डोनेट लाइफ संस्था ने अंगदान करवाया...

## किडनी-नेत्र दान से 4 को मिली नई जिंदगी

एलआईसी एजेंट के दिमाग की नस में रक्त की गांठ बनने के बाद हुए थे अस्पताल में भर्ती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

सूरत, शहर के अडाजन निवासी एक एलआईसी एजेंट को दिमाग की नस में रक्त की गांठ होने पर अस्पताल में भर्ती रख रखा गया था। चिकित्सकों ने मरीज को ब्रेनडेर्ड घोषित किया, जिसके बाद परिवार ने अंगदान का निर्णय किया। इसके बाद डोनेट लाइफ संस्थान ने अंगदान करवाया, जिसमें दो किडनी व चक्षुओं के दान से चार जनों को नई जिंदगी।

अडाजन हनीपांडी रोड निवासी निमीष गांधी (44) एलआईसी एजेंट का काम करते थे। निमीष को 23



जनवरी को सिरदर्द और उल्टी होने पर यूनाइटेड ग्रीन अस्पताल में रेफर किया गया था। जहाँ एमआरआई में मस्तिष्क में रक्त नली ब्लॉक होना पता चला। चिकित्सकों ने उनकी सर्जरी प्लान की, मगर तबीयत में सुधार नहीं होने पर 25 जनवरी को ब्रेनडेर्ड घोषित किया। सूरती मोहवाल के समाज के लिये जायडस अस्पताल को दोनों किडनी दान में दी। वहाँ, चक्षुओं का दान लोकार्प्टि चक्षुबीक के दिनेश जोगाणी ने स्वीकार किया।

अब तक 1073 अंगों व टिश्यू का दान

गैरतलब है कि सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ ने अब तक 1073 अंगों व टिश्यू का दान लिया। इसमें 450 किडनी, 192 लीवर, 8 पेन्फ्रीयाज, 43 हृदय, 26 फेफड़, 4 हथ और 350 चक्षुओं का दान लेकर कुल 986 व्यक्तियों को नया जीवन और हृष्टि देने में सफल हुए हैं।

दान में मिली एक किडनी अहमदाबाद निवासी 67 वर्षीय महिला में तथा दूसरी किडनी अहमदाबाद निवासी 46 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई है। किछी को सूरत से अहमदाबाद पहुंचने के लिए शहर पुलिस और राजमीण पुलिस की मदद से ग्रीन कारिंडोर बनाया गया।

## 44 वर्षीय ब्रेनडेर्ड एलआईसी एजेंट के अंगदान से चार लोगों को मिला नया जीवन

**किडनी को अहमदाबाद पहुंचाने के लिए ग्रीन कारिंडोर दिया गया**

लोकतंज संवाददाता

सूरत। कपड़ा और हॉर्ट के शहर के रूप में जाना जाने वाला सूरत अब देश में अंग दाता शहर के रूप में जाना जा रहा है। पिछे 74वें गणतंत्र में एक और अंगदान हुआ। सूरती मोहवाल के समाज के ब्रेन डेर्ड निमिष रजनीकात गांधी (44) के परिवार ने अंगदान की परमिशन देने से चार लोगों को किडनी और ओर्गेन दान के समाज को नई दिशा दिखाई है। अहमदाबाद में समय पर किडनी पहुंचाने के लिए सूरत शहर की पुलिस और राज्य के विभिन्न जिलों की पुलिस के सहयोग से एक ग्रीन कारिंडोर बनाया गया था।

अडाजन में रहकर एलआईसी एजेंट के तीर पर काम करते वाले निमिष को स्लिंडर दर्द और उल्टी होने के बाद 23



सूजन कम करने के लिए सर्जरी की गयी।

25 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोनित्रा, न्यूरोफिजियन डॉ. रोशन पटल, डॉ. खुशबू वर्षाशिया, डॉ. कल्पेश अमानदवाला और डॉ. भगवंत उररेटिया ने निमिषभाई को ब्रेन डेर्ड घोषित कर दिया। सूरती मोहवाल के समाज के नेता हरीशाबाई जडावाला और भूमेंदभाई चावला ने ब्रेन डेर्ड होने की जानकारी दी।

डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और निमिष के पिता रवीनीकांतभाई, मां सुधावेन, पती चैताली, बेटी कविता, पुत्र रुद्र, बहन सेजल रघवीशी, जीजा कल्पेश राजेशीशी, भाई अंकत चावला और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया।

रक्त वाहिका में ब्लॉक होने के रूप में किया गया था। 23 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. जिगर आडवा और डॉ. परेश पटेल ने रक्त वाहिका से द्रव्यमान को निकालने और स्टेंट लगाने के लिए सर्जरी की। उसके बाद 24 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोनित्रा ने मस्तिष्क की

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## 44 वर्षीय ब्रेनडे के अंगदान से चार लोगों को मिला नया जीवन किडनी को अहमदाबाद पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर दिया गया

सूरत। कपड़ा और हीरे के शहर के रूप में जाना जाने वाला सूरत अब देश में अंग दाता शहर के रूप में जाना जा रहा है। फिर 74वें गणतंत्र में एक और अंगदान हुआ। सुरती मोटवणिक समाज के ब्रेन डे निमिष रजनीकांत गांधी (44) के परिवार ने अंगदान की परमिष्ठा देने से चार लोगों को किडनी और अंग दान कर समाज को नई दिशा दिखाई है। अहमदाबाद में समय पर किडनी पहुंचाने के लिए सूरत शहर की पुलिस और राज्य के विभिन्न जिलों की पुलिस के सहयोग से एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था।

अडाजन में रहकर एलआईसी एंजेंट के तौर पर काम करने वाले निमिष को सिर दर्द और उल्टी होने के बाद 23 जनवरी को परिवार वालों ने डॉ. कल्पेश अमीचंदवाला के इलाज के तहत एमटी अस्पताल में भर्ती कराया था। ग्राथर्मिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए यूनाइटेड ग्रीन अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डायग्नोस्टिक एमआरआई एंजियो का निदान मस्तिष्क में रक्त वाहिका में ब्लॉक होने के रूप में किया गया था। 23 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. जिगर आइया और डॉ. परेश पटेल ने



रक्त वाहिका से ट्यूमर को निकालने और स्टेंट लगाने के लिए सर्जरी की। उसके बाद 24 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोजित्रा ने मस्तिष्क की सूजन कम करने के लिए सर्जरी कीथी।

25 जनवरी को न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोजित्रा, न्यूरोफिजिशियन डॉ. रोशन पटेल, डॉ. खुशबू वधाशिया, डॉ. कल्पेश अमीचंदवाला और डॉ. भार्गव उमरेटिया ने निमिषभाई को ब्रेन डे घोषित कर दिया। सुरती मोटवणिक समाज के नेता हरीशभाई जड़ावाला और भूपेंद्रभाई चावला ने ब्रेन डे होने की जानकारी दी।

डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और निमिष के पिता

रजनीकांतभाई, मां सुधाबेन, पत्नी चैताली, बेटी कविता, पुत्र रुद्र, बहन सेजल राजजोशी, जीजा कल्पेश राजजोशी, चचेरे भाई अंकित चावला और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान के कीथी।

निमिष के पिता रजनीकांत व उनकी पत्नी चैताली ने कहा कि निमिष का ब्रेन डे हो गया है और उसकी मौत निश्चित है, शरीर जलकर राख हो जाएगा, तो आप अंगदान कर और ऑर्गन फेलियर के मरीजों को नया जीवन देने के लिए आगे बढ़ें। निमिष के परिवार में बुजुर्ग माता-पिता रजनीकांत और सुधाबेन, पत्नी चैताली, बेटी कविता जो बीबीए के अंतिम

सेमेस्टर में पढ़ रही हैं और बेटा रुद्र जो बीसीए के दूसरे सेमेस्टर में पढ़ रहा है।

लिवर डोनेशन नहीं हो सका

अंगदान के लिए परिवार की सहमति मिलने के बाद नीलेश मंडलेवाला ने सोटो से संपर्क किया और किडनी और लीवर दान करने के लिए कहा। सोटो द्वारा किडनी और लीवर अहमदाबाद को आवर्टित किए गए थे। , अहमदाबाद में ज्ञायडस अस्पताल के डॉ. आनंद खाखर और उनकी टीम ने ऐसे किडनी के दान को स्वीकार किया। फैटी लिवर के कारण लिवर डोनेशन नहीं हो सका। नेत्रदान लोक दृष्टि आई बैंक के दिनेशभाई जोगनी ने स्वीकार किया।

दान की गई दो किडनी में से एक किडनी अहमदाबाद निवासी 67 वर्षीय महिला को प्रत्यारोपित की गई है, दूसरी किडनी अहमदाबाद निवासी 46 वर्षीय व्यक्ति को अहमदाबाद के ज्ञायडस अस्पताल में प्रत्यारोपित की गई है। किडनी को समय पर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए सूरत शहर पुलिस और राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामीण पुलिस के सहयोग से बनाया गया था।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## સુરતી મોટવણિક સમાજના આધેડના અંગદાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

(પ્રતિનિધિત્વ) સુરત, શુક્રવાર અડાજણમાં રહેતા અને શ્રી સુરતી મોટવણિક સમાજના બ્રેઇનડેડ આધેડના પરિવારે કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન કરી ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન બધીને માનવતાવી મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી હતી.

અડાજણમાં હનીપાઈ રોડ કેદારભવન એપાર્ટમેન્ટ પાસે મધ્યાનગર રો હાઉસ રહેતો અને એલ.આઈ.સી એજન્ટ તરીકે કાર્ય કરતા ૪૪ વર્ષીય નિમિષ રજનીકાંત ગાંધીને જત તા. ૨ ઉમ્મીએ માથામાં દુઃખાવો અને ઉલટી થઈ હતી. બે ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર અને મેડિકલ તપાસમાં તેમના મગજની લોહીની નળીમાં બ્લોકેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. તા. ૨ ઉમ્મીએ ન્યુરોસર્જર્ને ગાંઠ ગાઠીને સ્ટેટ મુક્યું હતું. તા. ૨ ઉમ્મીએ સોજો ઓછો કરવા સર્જરી થઈ હતી. જોકે, તા. ૨ ઉમ્મીએ ડોક્ટરોની ટીમે નિમિષભાઈને બ્રેઇનડેડ જીવર કર્યા હતા. હોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પણોચીને તેમના પરિવારના સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાતા પરિકેર નિમિષભાઈના અંગોના દાન માટે સંમતી આપી હતી. ચક્ષુઓનું દાન લોકદાઢી ચક્ષુબેંકાને સ્વીકાર્યું હતું. દાનમાં મળેલી બે કિડની પેકી એક અમદાવાદી રહેતા ૬૭ વર્ષીય મહિલા, બીજી અમદાવાદના રહેતા ૪૬ વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાઈ છે. નિમિષભાઈના પરિવારમાં વૃદ્ધ માતાપિતા, ૨૪ જીનીકાંત અને સુધાબેન, પત્ની ચૈતાલી, પુત્રી કવિતા બીબીએના છેલ્લા સેમેસ્ટરમાં અભ્યાસ કરે છે. અને પુત્ર રૂદ્ર બીસીએના બીજા સેમેસ્ટરમાં અભ્યાસ કરે છે.

**અડાજણના મણીનગર રો-હાઉસમાં રહેતા LIC એજન્ટ નિમિષ ગાંધીને મગજની નળીમાં બ્લોકેજની સર્જરી બાદ બ્રેઇનડેડ જીવર કરાયા હતા**



## અડાજણના બ્રેઇન ડોસ્ટ્સ LIC એજન્ટના અંગદાન થકી ચારને નવજીવન

માથામાં દુઃખાવો અને ડિલટી થતાં MRI એન્જિયો કરાવતાં મગજની લોહીની નળીમાં નિદાન થયું હતું.

સુરત: શહેરના સુરતના અડાજણ વિસ્તારમાં રહેતા અને શ્રી સુરતી મોટવણિક સમાજના નિમિષ રજનીકાંત ગાંધી (૩.૨.૪૪)નું બ્રેઇનડેડ થતાં તેમના પરિવારને હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે લઈ ગયા હતા. જો. કે., વધુ સારવાર માટે MRI એન્જિયો કરવતાં મગજની લોહીની નળીમાં બ્લોક હોવાનું નિદાન થયું હતું. કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન કરી ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન બધીને માનવતાવી મહેક ફેલાવી સમાજને નવજીવન બધું હતી.

બ્લુટું, વિસ્તૃત વિગતો મુજબ શહેરના હાઉસપાઈ રોડ પર મધ્યાનગર રો હાઉસમાં રહેતા નિમિષ રજનીકાંત ગાંધી એલાયાઈસી એજન્ટ તરીકે કાર્ય કરતા હતા. તેમને ગત તા.૨૩ જાન્યુઆરીના રોજ માથામાં દુઃખાવો અને લીલી થતાં પરિવારજીનો હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે લઈ ગયા હતા. જો. કે., વધુ સારવાર માટે MRI એન્જિયો કરવતાં મગજની લોહીની નળીમાં દાદીઓને નવજીવન આપવા આપ આગળ વથી. નિમિષના પરિવારમાં વૃદ્ધ માતાપિતા રજનીકાંત અને સુધાબેન, પત્ની

બ્રેઇનડેડ જીવર કરાયા હતા. યુવાન દીકરે બ્રેઇનડેડ થથા બાદ હૃદય પર પથ્યર મૂકી પિતાને અંગદાનની મંજૂરી આપી હતી. નિમિષના પિતા રજનીકાંત અને નિમિષના પણ્ણી ચૈતાલી થતાં જાણ્યું કે, નિમિષ બ્રેઇનડેડ છે અને તૈનું મત્તું નિશ્ચિત જ છે, શરીર તો બળીને રાખ જ થઈ જાણ્યું છે, ત્યારે તેમના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ફળતાના દર્શાવે રહેલી એન્જિયોની નવજીવન આપવા આપ આગળ વથી. નિમિષના પરિવારમાં વૃદ્ધ માતાપિતા રજનીકાંત અને સુધાબેન, પત્ની

ચૈતાલી, પુત્રી કવિતા જે BBAના છેલ્લા સેમેસ્ટરમાં અભ્યાસ કરે છે અને તેમની ટીમે આપી કિડનીનું દાન સ્વીકાર્યું હતું. કેવી લિવર બીજા સેમેસ્ટરમાં અભ્યાસ કરે છે, પરિવારજીનો તરફથી અંગદાનની શક્યતું ન હતું. ચક્ષુઓનું દાન સંમતિ મળેલા ડેનેટ લાઈફની નિશેશભાઈ જોગણીએ સ્વીકાર્યું હતું. દાનમાં ઓર્ગન એન્ડ ટીસ્યુ ટ્રાન્સપલાન્ટ એન્જિનોન (SOTTO)નો સંપર્ક કરી કિડની અને લિવરના દાન માટે સૂચના આપી હતી. SOTTO દ્વારા કિડની અને લિવર અમદાવાદની જાયડેસ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવી હતી. અમદાવાદની જાયડેસ હોસ્પિટલમાં કરાવવામાં આવ્યું છે.

દોનેટ અન્નાં ખાંસ હોસ્પિટલના ડો.આનાંદ ખાંસ અને તેમની ટીમે આપી કિડનીનું દાન સ્વીકાર્યું હતું. કેવી લિવર બીજા સેમેસ્ટરમાં અભ્યાસ કરે છે, પરિવારજીનો તરફથી અંગદાનની શક્યતું ન હતું. ચક્ષુઓનું દાન લોકદાઢી ચક્ષુબેંકના દિનેશભાઈ જોગણીએ સ્વીકાર્યું હતું. દાનમાં ઓર્ગન એન્ડ ટીસ્યુ ટ્રાન્સપલાન્ટ એન્જિનોન પેદી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપલાન્ટ અમદાવાદની રહેવાસી ૬૭ વર્ષીય મહિલામાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપલાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી ૪૬ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની જાયડેસ હોસ્પિટલમાં કરાવવામાં આવ્યું છે.

"જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાના..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

જ્ઞમાં પ્રજાસત્તાક દિને ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા વધુ એક અંગદાન કરાવવામાં આવ્યું

## સુરતી મોટ્ટાણિક સમાજનાં બ્રેઇનડેડ નિમિષ ગાંધીનાં કિડની અને ચક્કુઓનાં દાન થકી ચાર વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા. ૨૭

શહેરનાં અડાજીશ્વામાં હનીપાઈ રોડ ઉપર આવેલાં મણીનગર રોડાઉસમાં રહેતાં નિમિષ ગાંધીને ૨૩ જાન્યુઆરીના રોજ માયામાં દુઃખાવો અને ઉલ્લેખ થતા પરિવારજનોએ તેને એમિટી હોસ્પિટલમાં અને ત્યારબાદ વધુ સારવાર માટે યુનાઈટેડ ગ્રીન હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા હતાં. મગજની લોહીની નળીમાં બ્લોક લોવાનું નિદાન થયા બાદ લોહીની નળીમાંથી ગાંઠ કાઢી સ્ટેન્ટ મુક્ક્યો હતો. તા. ૨૫ જાન્યુઆરીનાં રોજ ન્યૂરોસર્જન ડૉ. હસમુખ સોજાના, ન્યૂરોક્લિનિક્યુરેચિન ડૉ. રોશન પટેલ અને અન્ય તબીબોએ નિમિષ ગાંધીને બ્રેઇનડેડ શહેર કર્યા હતાં.

શ્રી સુરતી મોટ્ટાણિક સમાજના અગ્રણી હરીશ જ્ઞાવાળા અને ભુપેન્દ્ર ચાવાળાએ ડોનેટ લાઈફના સ્વાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી નિમિષના બ્રેઇનડેડ અંગેની જાણકારી આપી. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પણોંથી નિમિષના પિતા રજનીકાંતભાઈ, માતા સુધાબેન, પત્ની ચૈતાલી તેમજ પરિવારના અન્ય સહ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી. નિમિષના પિતા અને પત્નીએ અંગદાન માટે સંમતિ આપી હતી. પુત્રી કવિતા જે BBAના છેલ્લા સેમેસ્ટરમાં અભ્યાસ કરે છે અને પુત્ર રૂદ્ર જે BCAના બીજા સેમેસ્ટરમાં અભ્યાસ કરે છે.

પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની



**કિડની સમયસર અમદાવાદ  
પણોચાડવા માટે સુરત અને  
શહેર-ગ્રામ્ય પોલીસનાં  
સહકારથી ગ્રીન કોરિડોર  
બનાવવામાં આવ્યો**

સંમતિ મળતા નિલેશ માંડલેવાલાને State Organ and Tissue Transplant Organization (SOTTO)નો સંપર્ક કરી કિડની અને તેને વિવરના દાન માટે જાપાય્યું. SOTTO દ્વારા કિડની અને લિવર અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવી. અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલનાં ડૉ. આનંદ બખ્ખર અને તેમની ટીમે આવી કિડનીનું દાન સ્વીકાર્યું. ચક્કુઓનું દાન લોકડ્રાઇ ચક્કુબેંકના ટિનશભાઈ જોગણીએ સ્વીકાર્યું હતું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી

બંને કિડની પેદી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની રહેવાસી દ્વારા વર્ષીય મહિલામાં, બીજા કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી દ્વારા વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલમાં કરાવવામાં આવ્યું છે. કિડની સમયસર અમદાવાદ પણોચાડવા માટે સુરત શહેર પોલીસ તેમજ શક્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસના સહકારથી ગ્રીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાત માંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૦૭૩ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે જેમાં ૪૫૦ કિડની, ૧૬૨ લિવર, ૮ પેદીઓસ, ૪૩ હદ્ધય, ૨૯ ફેફસાં, ૪ હાથ અને ૩૫૦ ચક્કુઓના દાનથી કુલ ૬૮૮ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટિ બદલવામાં સહિતા મળી છે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્ધયાના..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

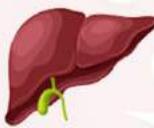
## DONATE LIFE

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

**DATE: JANUARY, 2006 TO 26TH JANUARY, 2023**



**450  
KIDNEY**



**192  
LIVER**



**43  
HEART**



**26  
LUNGS**



**08  
PANCREAS**



**350  
CORNEA**



**04  
HANDS**

**TOTAL 1073 ORGANS & TISSUES DONATED,**

**which has given New Life & Vision to 986 PERSONS  
ACROSS COUNTRY & Globe.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."